प्रतिदर्श प्रश्न पत्र
(२०१६ - २०१७)
हिन्दी ऐच्छिक
कक्षा बारहवी
खंड क

निर्धारित समय – ३ घंटे   अधिकतम अंक – 100

१. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए   15

स्वामी विवेकानंद आदर्श और उज्जवल चरित्र के बहुत बड़े समर्थक थे। कठोपनिषद का एक मंत्र है जिसका उल्लेख वे प्रायः किया करते थे। उतिष्ठत जागृत वरान्नबोधत । यानी उठो, जागो और ऐसे श्रेष्ठजनों के पास जाओ जो तुम्हारा परिचय परमात्मा से करा सकें। इसमें तीन बातें निहित हैं। पहली, तुम जो निद्रा में बेसुध पड़े हो, उसका त्याग करो और उठकर बैठ जाओ। दूसरी आंखे खोल दो अर्थात अपने विवेक को जागृत करो। तीसरी, चलो और उन उत्तम कोटि के पुरुषों के पास जाओ, जो ईश्वर यानी जीवन के चरम लक्ष्य का बोध करा सकें। जीवन विकास के राजपथ पर स्वर्ग का प्रलोभन और नरक का भय काम नही करता। यहां तो सत्य की तलाश में आस्था, निष्ठा, संकल्प और पुरुषार्थ ही जीवन को नई दिशा दे सकते हैं।

महावीर की वाणी है- ‘उटिठये णो पमायए’ यानी क्षण भर भी प्रमाद न हो। प्रमाद का अर्थ है - नैतिक मूल्यों को नकार देना, अपनों से अपने पराए हो जाना सही गलत को समझने का विवेक न होना। ‘मैं’ का संवेदन भी प्रमाद है, जो दुख का कारण बनता है। प्रमाद में हम अपने आप की पहचान औरों के नजरिये से, मान्यता से, पसंद से, स्वीकृति से करते है, जबकि स्वयं द्वारा स्वयं को देखने का क्षण ही चरित्र की सही पहचान बनता है। चरित्र का सुरक्षा कवच अप्रमाद है, जहां जागती आंखों की पहेरदारी में बुराइयों की घुसपैठ संभव ही नहीं। बुराइयां दूब की तरह फैलती है, मगर उनकी जड़ें गहरी नहीं होतीं, इसलिए उन्हे थोड़े से प्रयास से उखाड़ फेंका जा सकता है। जैसे ही स्वयं का विश्वास और अपनी बुराइयों का बोध जागेगा, परत दर परत जमी बुराइयों व अपसंस्कारो में बदलाव आ जाएगा। चरित्र जितना ऊंचा और सुदृढ़ होगा, जीवन मूल्य

उतनी ही तेजी से विकसित होंगे और सफलताएं उतनी ही तेजी से कदमों को चूमेगी। इसलिए परिस्थितयां बदले, उससे पहले प्रकृति बदलनी जरुरी है। बिना आदत और संस्कारों को बदले न सुख संभव है, न साधना और न ही साध्य ।

क) आदर्श और उज्जवल चरित्र से आप क्या समझते हैं ? 2

ख) स्वामी जी हमें श्रेष्ठजनों के पास जाने के लिए क्यों कहते हैं? 2

ग) निद्रा का त्याग करने से क्या अभिप्राय है? 2

घ) विवेक को जागृत करने से हमें क्या लाभ मिल सकते हैं ? 2

ड) जीवन को नई दिशा देने के लिए किन गुणों की आवश्यकता है और क्यों? 2

च) बुराइयों की तुलना दूब से क्यों की गई है? 2

छ) स्वयं द्वारा स्वयं को देखने का क्षण ही चरित्र की सही पहचान बनाता है।
आशय स्पष्ट कीजिए 2

ज) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए

परिस्थितियां, नैतिक 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए 1x5=5

कालिदास का अमर काव्य है,

मै तुलसी की रामायण।

अमृतवाणी हुं गीता की,

घर घर होता पारायण।

मै भूषण की शिवा बावनी,

आल्हा का हुंकारा हूं।

सूरदास का मधुर गीत मै,

मीरा का इकतारा हुं।

वरदायी की गौरव गाथा,

रण गर्जन गंभीर हूँ।

मातृभूमि पर मिटने वाले,

मतवाले की पीर हूँ।

मेरा परिचय इतना है,

मै भारत की तस्वीर हूँ।

क) कविता में किसके बारे में बात की गई है? 1

ख) गीता को अमृतवाणी कहने के कारणों को स्पष्ट कीजिए। 1

ग) 'मतवाले की पीर हूं' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। 1

घ) 'वरदायी' की कविताओं की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 1

ड) 'घर घर होता पारायण' - से क्या अभिप्राय है? 1

खंड ख

3. निम्नलिखित विषय में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए 10

क) लोकतंत्र और भारत

ख) सुबह की सैर आज की आवश्यकता

ग) ग्रामीण भारत की चुनौतियां

घ) भारतीय नारी

4. सार्वजनिक पद पर बने व्यक्तियों में व्याप्त भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कुछ उपाय सुझाते हुए किसी दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। 5

अथवा

सड़कों पर होने वाली दुर्घटना से बचाव के लिए परिवहन विभाग के सचिव को पत्र लिखिए

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए 1x5=5

क) पत्रकार के दो प्रकार लिखिए।

ख) विशेष लेखन से क्या तात्पर्य है?

ग) एंकर बाइट किसे कहते हैं?

घ) भारत में सबसे पहली फिल्म कौन सी बनी थी?

ड) स्वतंत्रता से पहले के किन्ही दो पत्रकारों के नाम लिखिए।

6. 'सम्प्रदायवाद एक जहर' अथवा 'बाल श्रमिकों की समस्या' विषय पर एक आलेख तैयार कीजिए 5

खंड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए 8

जो है वो सुगबुगाता है

जो नहीं है वह फेंकने लगता है पचखियां

आदमी दशाश्वमेध पर जाता है

और पाता है घाट का आखिरी पत्थर

कुछ और मुलायम हो गया है

सीढियों पर बैठे बंदरों की आंखो में

एक अजीब सी नमी है।

अथवा

कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि,

मूदि रहए दु नयान।

कोकिल कलरव मधुरकर सुनि,

कर देइ झांपइ कान।

माधव सुन सुन बचन हमारा।

तुस गुन सुन्दरि अति भेल दूबरि

गुनि गुनि प्रेम तोहारा।

धरनि धरि धानि कत बेर बइसइ,

पुनि पुनि उठई न पाय।

8. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उतर दीजिए 3+3=6

क) गीत गाने दो कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

ख) देवी सरस्वती की उदारता का गुणगान क्यों नहीं किया जा सकता?

ग) हाथ फैलाने वाले व्यक्ति को कवि ने ईमानदार क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए।

9. . निम्नलिखित में से किन्ही दो काव्यांशो का काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए 3+3=6

क) भारत सौगुनी सार करत है

अति प्रिय जानि तिहारे

तदापि दिनहिं दिन होत झांवरे

मनहुं कमल हिममारे

ख) यह मधु है - स्वयं काल की मौना का युग संचय

यह गोरस - जीवन - कामधेनु का अमृत पूत पथ

ग) इस पथ पर मेरे कार्य सकल

हो भ्रष्ट शीत के से शतदल

कन्ये, गत कर्मो का अर्पण

कर, करता मै तेरा तर्पण

10 . निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए 6

शिवालिक की सूखी नीरस पहाडियों पर मुस्कराते हुए ये वृक्ष द्वंदातीत है, अलमस्त है। मैं किसी का नाम नही जानता, कुल नही जानता, शील नही जानता पर लगता है ये जैसे मुझे अनादि काल से जानते हैं। इन्ही में एक छोटा सा, बहुत ही ठिगना पेड है, पत्ते चौडे भी हैं, बडे भी हैं। फूलों से तो ऐसा लदा है कि कुछ पूछिए नहीं। अजीब सी अदा है, मुस्कराता जान पडता है।

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर भारत की सबसे बड़ी ट्रेजेडी यह नहीं है कि शासक वर्ग ने औद्योगीकरण का मार्ग चुना, ट्रेजेडी यह रही है कि पश्चिम की देखा देखी और नकल में योजनाएं बनाते समय प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति के बीच का नाजुक संतुलन किस तरह नष्ट होने से बचाया जा सकता है - इस ओर हमारे पश्चिम शिक्षित सत्ताधारियों का ध्यान कमी नहीं गया। हम बिना पश्चिम को मॉडल बनाए अपनी शर्तो और मर्यादाओं के आधार पर औद्योगिक विकास का भारतीय स्वरुप

निर्धारित कर सकते हैं, कभी इसका ख्याल भी हमारे शासकों को आया हो, ऐसा नही जान पड़ता।

11. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए 4+4=8

क) संवदिया की क्या विशेषता होती है उसके लिए गांववाले की धारणा स्पष्ट कीजिए।

ख) 'चार हाथ' लधुकथा पूंजीवादी व्यवस्था में मजदूरों के शोषण को उजागर करती है। इस कथन को प्रतिपादित कीजिए।

ग) संभव को 'दूसरा देवदास' क्यों कहा गया है स्पष्ट कीजिए।

12 'भीष्म साहनी' अथवा 'रामचन्द्र शुक्ल' के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा शैली की दो प्रमुख विशेषताएं स्पष्ट कीजिए 6

अथवा

'जायसी' अथवा 'रघुवीर सहाय' के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी दो प्रमुख काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए

13 'प्रकृति सजीव नारी बन गई' - इस कथन के आलोक में निहित जीवन मूल्यों को बिस्कोहर की 'माटी' पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए 5

अथवा

'तो हम सौ लाख बार बनाएंगे' - इस कथन के आलोक में सूरदास के जीवन मूल्यों को स्पष्ट कीजिए जिनसे जीवन का युद्ध जीता जा सकता है

14. क) भूपसिंह परिश्रम, साहस और धैर्य के प्रतीक थे - कैसे 5

ख) हमारी वर्तमान सभ्यता नदियों को गंदे पानी के नाले बना रही है - क्यों और कैसे 5